हाट की कालिका मय्या कुमाऊँनी

हे माँ भगवती तू दैण है भक्तो मै आपणी छाया करीये.

हाट की जै जै माँ
हाट की जै जै माँ कालिका मय्या दैणा होये सबोंकी तरफ़.
हो दैण होये सबोंकी तरफ़.

छोर बागेश्वर मय्या दनपूर कमस्यार.
ताला देश माला देश ज्वार मुन्सयार.
तेरी है रै जै जै माँ, तेरी है रै जै जै माँ.
जैजैकारा मय्या दैणा होये सबोंकी तरफ़.
हाट की....

अज्ञानी कैं ज्ञान दिछी रोगियों कैं काया, निर्बल कैं बल दिछी निर्धनों कैं माया.
घर बण जै जै माँ, घर बण जै जै माँ.
घर बण परदेश मय्या दैणा होये सबोंकी तरफ़.
हाट की....

मै अज्ञानी निर्बुधि, आयुँ तेरा द्वार. मन मुराद पुर करीदे, करिदे चमतकार.
दया की जै जै माँ दया की जै जै माँ.
नजर मय्या करीदिये सबोंकी तरफ़.
हो देण होये सबोंकी तरफ़.
हाट की.....
जय माता दी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19038/title/haat-ki-kaalikaa-maiya-kumaouni

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |